बाबरी ध्वंस देश के हिन्दुओं के लिए गौरव का विषय–तोगड़िया

पत्रकारों को संबोधित करते हुए डा. प्रवीण तोगड़िया व आचार्य गिरिराज किशोर

24 नवंबर, 2009 नई दिल्ली। लिब्रहान आयोग की रिपोर्ट पर मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में विश्व हिन्दू परिषद के अन्तरराष्ट्रीय महासचिव डा. प्रवीण तोगड़िया ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बाबरी ढ़ांचे का गिराया जाना हिन्दुओं के लिए गौरवपूर्ण क्षण तथा हिन्दुत्व के पुर्नजागरण का प्रतीक है, और विश्व हिन्दू परिषद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लिब्रहान जैसे रिपोर्ट आती और जाती हैं, वस्तुतः इनका प्रभाव क्षणिक होता है, किन्तु हिन्दू सांस्कृतिक निधि और पूजा स्थलों की रक्षा हेतु संकल्पित हिन्दू तन–मन–धन से संस्कृतिसः खड़े होते हैं। अखंड भारत में विदेशी हमलावरों द्वारा कोई प्रतीकात्मक संरचना का निर्माण राष्ट्रीय लज्जा की बात है। किसी भी राष्ट्र में ऐसा कभी नहीं हुआ कि बहुसंख्यक समाज का निरंतर अपमान होता रहे।

डा. तोगड़िया ने यह आश्वासन दिया कि श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण अवश्य होगा और उसके लिए विहिप किसी भी तरह का बलिदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में 85 करोड़ से अधिक हिन्दू तथा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों हिन्दू अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने का बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस दौरान विहिप के पूर्व अन्तरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य गिरिराज किशोर ने लिब्रहान आयोग की रिपोर्ट को निराधार बताते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी बाबरी ढ़ांचे को गिराए जाने के पक्ष में नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि देश में धार्मिक तनाव पैदा हो। इसलिए रिपोर्ट में अटल बिहारी वाजपेयी को दोषी ठहराया जाना बिलकुल गलत है। विहिप ने बाबरी नामक कोई मस्जिद नहीं तोड़ी बल्कि मंदिर के पुराने ढ़ांचे को तोड़कर नए ढ़ांचे का निर्माण करना चाहा है। आने वाले दिनों में विहिप श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य श्रीराम मंदिर का अवश्य निर्माण करेगा।

रिपोर्ट –अमरजीत सिंह